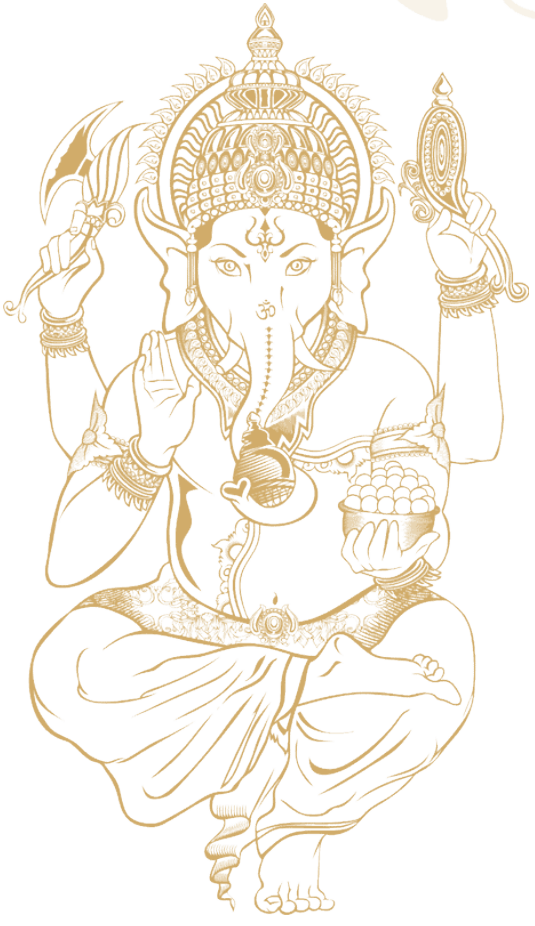

Suman

09 Jul 1990

11:30 PM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121600403

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**09/07/1990**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**23:30:00 घंटे**
इष्ट	44:47:17 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:06:20 घंटे
वेलान्तर	-00:05:07 घंटे
साम्पातिक काल	18:15:58 घंटे
सूर्योदय	05:35:05 घंटे
सूर्यास्त	19:22:18 घंटे
दिनमान	13:47:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	23:32:06 मिथुन
लग्न के अंश	11:53:44 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	विष्कुम्भ
करण	गर
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खी-खिली
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	11:53:44	506:54:29	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	---
सूर्य			मिथु	23:32:06	00:57:12	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	सम राशि
चंद्र			मक	13:01:49	12:38:09	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
मंगल			मेष	04:19:40	00:40:53	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
बुध		अ	कर्क	01:45:13	02:02:46	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
गुरु		अ	मिथु	27:31:51	00:13:27	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	23:48:01	01:11:41	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	स्वराशि
शनि	व		धनु	28:39:36	00:04:25	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	सम राशि
राहु	व		मक	13:32:50	00:00:02	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	13:32:50	00:00:02	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	13:27:48	00:02:23	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
नेप	व		धनु	19:20:48	00:01:37	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो	व		तुला	21:18:49	00:00:32	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			धनु	09:56:22	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:43

लग्न-चलित

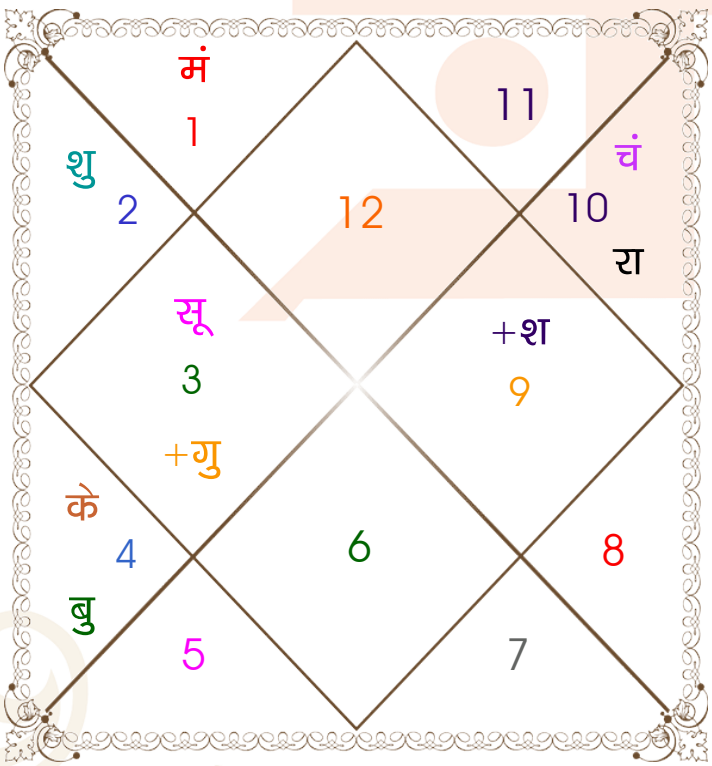

चन्द्र कुंडली

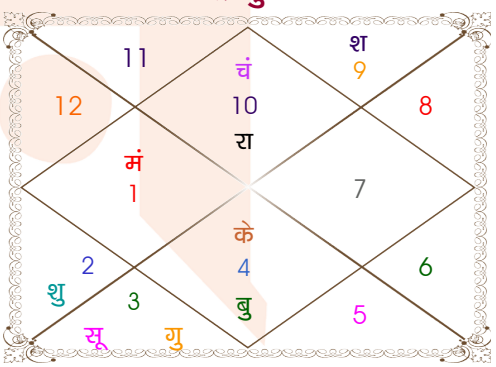

नवमांश कुंडली

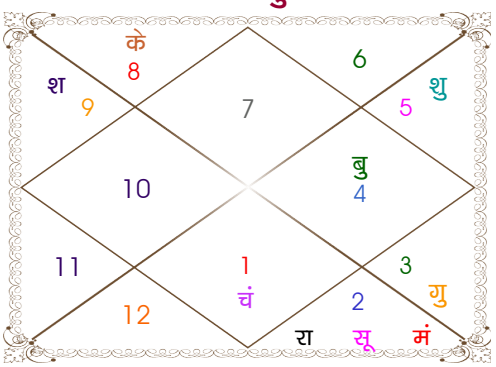

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 8 मास 22 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
09/07/1990		01/04/1998		01/04/2005		01/04/2023		01/04/2039	
01/04/1998		01/04/2005		01/04/2023		01/04/2039		01/04/2058	
	00/00/0000	मंगल	28/08/1998	राहु	13/12/2007	गुरु	19/05/2025	शनि	04/04/2042
	09/07/1990	राहु	16/09/1999	गुरु	07/05/2010	शनि	01/12/2027	बुध	12/12/2044
राहु	02/03/1991	गुरु	21/08/2000	शनि	13/03/2013	बुध	07/03/2030	केतु	21/01/2046
गुरु	01/07/1992	शनि	30/09/2001	बुध	01/10/2015	केतु	11/02/2031	शुक्र	22/03/2049
शनि	30/01/1994	बुध	27/09/2002	केतु	18/10/2016	शुक्र	12/10/2033	सूर्य	04/03/2050
बुध	01/07/1995	केतु	24/02/2003	शुक्र	19/10/2019	सूर्य	01/08/2034	चंद्र	04/10/2051
केतु	30/01/1996	शुक्र	25/04/2004	सूर्य	12/09/2020	चंद्र	01/12/2035	मंगल	12/11/2052
शुक्र	30/09/1997	सूर्य	31/08/2004	चंद्र	14/03/2022	मंगल	05/11/2036	राहु	19/09/2055
सूर्य	01/04/1998	चंद्र	01/04/2005	मंगल	01/04/2023	राहु	01/04/2039	गुरु	01/04/2058

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/04/2058		01/04/2075		01/04/2082		02/04/2102		01/04/2108	
01/04/2075		01/04/2082		02/04/2102		01/04/2108		00/00/0000	
बुध	27/08/2060	केतु	28/08/2075	शुक्र	31/07/2085	सूर्य	20/07/2102	चंद्र	31/01/2109
केतु	25/08/2061	शुक्र	27/10/2076	सूर्य	01/08/2086	चंद्र	19/01/2103	मंगल	01/09/2109
शुक्र	25/06/2064	सूर्य	04/03/2077	चंद्र	31/03/2088	मंगल	27/05/2103	राहु	10/07/2110
सूर्य	01/05/2065	चंद्र	03/10/2077	मंगल	31/05/2089	राहु	20/04/2104		00/00/0000
चंद्र	30/09/2066	मंगल	01/03/2078	राहु	31/05/2092	गुरु	06/02/2105		00/00/0000
मंगल	28/09/2067	राहु	20/03/2079	गुरु	30/01/2095	शनि	19/01/2106		00/00/0000
राहु	16/04/2070	गुरु	24/02/2080	शनि	01/04/2098	बुध	25/11/2106		00/00/0000
गुरु	22/07/2072	शनि	04/04/2081	बुध	31/01/2101	केतु	02/04/2107		00/00/0000
शनि	01/04/2075	बुध	01/04/2082	केतु	02/04/2102	शुक्र	01/04/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 8 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगी। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगी। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकती हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगी। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकती हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगी न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगी। आप अच्छी प्रकार जानती हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगी। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव की प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाती हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाती है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंचा किला बनाती है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखती हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहती है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझती हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमी के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहती हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करती हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखती हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगी कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकती है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करती रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगी। आप अपने अच्छे पति, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकती है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकती हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।